"निदेशक"

बवाल ने कश्मीरी छात्रों को रोका नहीं पहुंच पाए आईआईटी

कानपुर: आईआईटी में चयनित कश्मीर के छात्रों की राह वहां चल रहे बवाल ने रोक ली है। ये छात्र आईआईटी नहीं पहुंच सके। हालातों के कारण आईआईटी प्रशासन ने इनको वक्त दिया है। कुछ छात्र गुरुवार को पहुंचेंगे। उधर, देश के कोने-कोने से 750 से अधिक छात्रों ने बुधवार को रिपोर्ट की। गुरुवार को बीटेक छात्रों के लिए सभागार में ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा। अब तक आईआईटी पहुंचे सभी छात्रों को छात्रावास आवंटित कर दिए गए। यहां पहला कदम रखने के बाद इनके चेहरों पर खुशी दिखाई पड़ी।

घर का अचार व घी लेकर आए : आईआईटी में प्रवेश पाने वाले राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड व हिमांचल प्रदेश से छात्र माता पिता के साथ रिपोर्ट करने पहुंचे थे। इनमें से कई छात्र घर का अचार व घी लेकर आए। माता पिता के साथ पहुंचे इन छात्रों ने परिसर में ही दिनभर रोजमर्रा की जरूरी चीजों की खरीदारी। राजस्थान से आए एक छात्र के पिता ने बताया कि अब तो उनके बेटे के लिए आईआईटी परिसर ही पूरी दुनिया है। मेहनत करके यहां तक पहुंचा है। यहां पढ़कर आगे बढ़े यही तमन्ना है।

पैर में फ्रैक्चर, सीधे मिलेगा दूसरे सेमेस्टर में दाखिला : आईआईटी प्रशासन ने एक छात्र को अगले वर्ष सीधे दूसरे सेमेस्टर में दाखिला देने का निर्णय लिया है लेकिन पहले सेमेस्टर की पूरी पढ़ाई करनी होगी। आईआईटी में चयनित इस छात्र ने पैर में फ्रैक्चर के कारण रिपोर्ट करने में असमर्थता जाहिर की है।

दैनिक जागरण 21-07-16

मेट्रो के लिए दो रूट तय मोतीझील तक पहले ट्रैक

कानपुर, जागरण संवाददाता : शासन ने केडीए को नोडल एजेंसी नामित किया है। केडीए ने दो रूटों के लिए डीपीआर तैयार कराया है। इसमें सबसे पहले आईआईटी से मोतीझील तक ट्रैक पर मेट्रो दौड़ाने की योजना है।

पहला रूट : आईआईटी, कल्याणपुर रेलवे स्टेशन, एसपीएम अस्पताल के पास बगिया क्रासिंग, सीएसजेएमयू, पालीटेक्निक चौराहा, गीता नगर, रावतपुर रेलवे स्टेशन, मोतीझील, हर्ष नगर, चुन्नीगंज, नवीन मार्केट परेड, बड़ा चौराहा, फूलबाग, नयागंज, घंटाघर, झकरकटी, ट्रांसपोर्ट नगर, बारादेवी, किदवई नगर, बसंत बिहार, बौद्ध नगर, नौबस्ता।

मेट्रो के काम व खर्च

स्टेशन भवन निर्माण	2201 करोड़
डिपो निर्माण	3734 करोड़
पटरी निर्माण	346 करोड़
सिग्नल सिस्टम	647 करोड़
ट्रेनों के डिब्ब	1423 करोड़
एलाइनमेंट खर्च	861 करोड़
अधिग्रहण व अन्य खर्च	4,509 करोड़

(अक्टूबर 2015 के आंकलन में लागत)

दूसरा रूट : सीएसए, रावतपुर रेलवे स्टेशन, काकादेव, डबलपुलिया, विजय नगर चौराहा, गोविंदनगर, बर्रा रोड, बर्रा सात, बर्रा आठ।

दैनिक जागरण 21-07-16

आईआईटी : कश्मीरी छात्रों को मिलेगा समय

कानपुर। आईआईटी, कानपुर में अण्डर ग्रेजुएट (यूजी) छात्रों को बुधवार को रिपोर्ट करना था। 750 से अधिक छात्र देर शाम तक रिपोर्ट भी कर चुके थे। इनमें कश्मीरी छात्रों ने यहां रिपोर्ट नहीं किया है। सुरक्षा कारणों से इनकी संख्या तो नहीं बताई जा रही है लेकिन ऐसे छात्रों को अतिरिक्त समय देने का निर्णय लिया गया है। कश्मीर में हालात खराब होने के कारण यहां से चयनित छात्र संस्थान नहीं पहुंच सके हैं। इन्हें बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेना है। एक अन्य छात्र को जिसके फ्रैक्चर हो गया है उसे भी मौका दिया जाएगा।

हिन्दुस्तान 21-07-16

आईआईटी में यूजी छात्रों की देखभाल को लगाए गए सीनियर छात्र, बच्चों के साथ आए पेरेंट्स ने कराई खरीदारी, भावुकता भरे माहौल में काउंसिलिंग भी, ओरिएंटेशन लेक्चर आज से

'बापूज' और 'मम्मीज' के हवाले यूजी छात्रों की जिम्मेदारी

कल्याणपुर | हिन्दुस्तान संवाद

आईआईटी, कानपुर में बुधवार से अण्डर ग्रेजुएट छात्रों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। कैंपस ने इनके स्वागत की तैयारियां पहले से ही कर रखी थीं। हॉस्टल ऑनलाइन एलॉट हो चुके थे। इन्हें कैंपस में आने पर अपने हॉस्टल जा कर 'बापूज' और 'मम्मीज' से संपर्क करना था। इनकी ड्यूटी थी नव प्रवेशित छात्रों को उनके रूम तक पहुंचा देना। रूम मिलते ही यह बच्चे अपने मां-बाप के साथ कैंपस में शॉपिंग करने निकल पड़े। गुरुवार को इनका ओरिएंटेशन होगा।

कैंपस में 827 बच्चों ने प्रवेश लिया है। सुबह से ही बच्चों ने रिपोर्ट करना शुरू कर दिया। गुरुवार तक सभी बच्चे यहां पहुंच जाएंगे। कैंपस देखकर ही इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि नए मेहमान आ रहे हैं। इन्हें कम से कम चार वर्षों का समय यहीं गुजारना है। अच्छा यह है कि जो भी बच्चे आए उन्हें अपना संस्थान पहली ही नजर में भा गया। बोले, बस दो चार दिन में यहां के माहौल में भी रम जाएंगे।

आईआईटी हॉस्टल में बुधवार को बच्चों की जरूरत का सामान लेकर पहुंचे अभिभावक।

कैंपस में बुधवार को परिजनों के साथ साइकिल खरीदते छात्र।

भावुकता के यह लम्हे : हॉस्टल नंबर 10 उनमें हैं जहां प्रथम वर्ष के छात्रों को कमरे एलॉट किए गए हैं। नई उम्मीदों और आशाओं से लबरेज कैंपस के अन्य हॉस्टलों में भी कक्ष आवंटित किए गए हैं। बच्चे जब हॉस्टल में पहुंचे तो सीनियर छात्रों और फैकल्टी मेम्बर ने इन प्रतिभाओं का अपने ही अंदाज में स्वागत किया। कहीं छात्र आईआईटी से अपना कॅरियर शुरू करने पर उत्साहित थे तो मां-बाप अपने बच्चों को भावुकता के साथ हर बात संजीदगी से समझा रहे थे। इण्टर के बाद कभी अकेले नहीं रहे इन बच्चों को अब पढ़ाई के लिए यहां लंबा समय गुजारना है। स्वयं मां-बाप इसकी भी काउंसिलिंग करते जा रहे थे।

लग गया साइकिल बाजार : कई किमी के क्षेत्रफल में फैले संस्थान में पढ़ाई के लिए साइकिल होना बहुत जरूरी है। जब छात्र यहां प्रवेश लेते हैं तो नई या पुरानी साइकिल जरूर खरीदते हैं। बुधवार को यही माहौल नजर आया। साइकिलों की बिक्री के लिए कम से कम तीन स्टॉल लगे थे। इसके अतिरिक्त गद्दा, रोजमर्रा उपयोग में लाए जाने वाले बर्तन, प्लास्टिक की बाल्टी, मग आदि की खूब खरीदारी की गई।

अम्मी-बापू करेंगे निगरानी : जेए टावर में लड़कियों और हॉस्टल नंबर 10 समेत अन्य हॉस्टल में लड़कों को कमरे एलॉट हुए। नए बच्चों की देखरेख और मोटीवेशन के लिए काउंसलर समेत सीनियर्स की बकायदा तैनाती की गई। गर्ल्स हॉस्टल में देखरेख कर रही सीनियर छात्राओं को 'अम्मीज२' नाम दिया गया वहीं ब्यायज हॉस्टल में सीनियर छात्रों को 'बापूज' नाम से पुकारा जाएंगा। यही अम्मीज और बापूज नए बच्चों को आईआईटी के तौर तरीके सिखाएंगें।

बातचीत

अच्छा महसूस कर रही हूं। सीनियर्स का सहयोग कमाल का है।
अमिता, रैंक 4120

सिविल ब्रांच में दाखिला लिया है। सफल इंजीनियर बनूंगी।
आयुषी बंसल, रैंक3017

दाखिला लेने पर उत्साहित हूं लेकिन परिवार से दूर रहने की टेंशन भी है।
साहिल, रैंक 596

नर्वसनेस है। माहौल को समझने के बाद सब कुछ नार्मल हो जाएंगा।
रितेश गर्ग, रैंक 458

हिन्दुस्तान

21-07-2016

बीटेक और बीएस में एडमिशन लेने वाले 827 स्टूडेंट पहुंचे आईआईटी

आईआईटी पहुंचे होनहार

छात्रा प्रज्ञाना को आईआईटी छोड़ने आए घर वाले।

हॉस्टल में स्टूडेंट का सामान लेकर जाते परिजन।

हॉस्टल जाते स्टूडेंट।

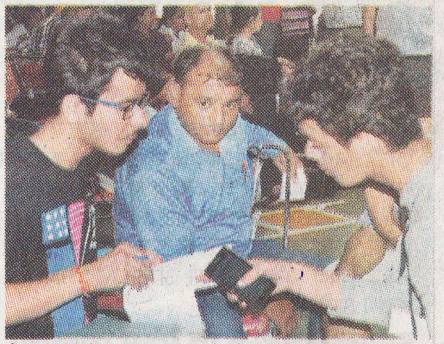

कैंपस पहुंचे छात्र एक-दूसरे से जानकारी लेते हुए।

हिमांशु मिश्र

कानपुर। बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटेक) और बैचलर ऑफ साइंस (बीएस) में एडमिशन लेने वाले 827 स्टूडेंट बुधवार को आईआईटी कैंपस पहुंच गए। सबको हॉस्टल दिया गया। साथ ही बताया गया कि गुरुवार को ओरिएंटेशन प्रोग्राम होगा। निदेशक प्रो. इंद्रनील मन्ना सुबह 10 बजे स्टूडेंटों से बात करेंगे। दोपहर 1 बजे से स्टूडेंटों के माता-पिता की काउंसलिंग की जाएगी। सबसे कहा जाएगा कि स्टूडेंटों पर अच्छा करने या ज्यादा मार्क्स लाने का दबाव न डालें। आईआईटी के स्टूडेंटों की पढ़ाई 27 जुलाई से कराई जाएगी।

देश की श्रेष्ठ आईआईटी से बीटेक और बीएस करने का सपना संजोए अलग-अलग राज्यों के स्टूडेंट अपने माता-पिता के साथ कैंपस पहुंचे। काउंसलिंग प्रभारी प्रो. एमके घोराई और स्टूडेंट कोआर्डिनेटर ने जूनियरों का स्वागत किया। शैक्षिक दस्तावेजों का सत्यापन कराया। हॉस्टल आवंटन और कमरों तक सामान पहुंचाने में मदद की। आईआईटी कैंपस की हरियाली, लैब, लाइब्रेरी और क्लास रूम देखकर आईआईटीयंस गदगद दिखे। लगा कि सपनों को पंख मिल गए हैं। जो कह रहे हैं आज मैं ऊपर आसमां नीचे। स्टूडेंटों ने कहा कि आईआईटी कानपुर की उपलब्धि के बारे में जो सुना, पढ़ा था, उससे कहीं ज्यादा देखने को मिला है। जेईई एडवांस में 113वीं रैंक हासिल करके सिटी टॉपर बने प्रवरदीप सिंह, 120वीं रैंक पाने वाले विभोर गुप्ता और थर्ड टॉपर गगनदीप भी परिवार के साथ हॉस्टल पहुंचे। एससी कोटे से ऑल इंडिया में 5वीं रैंक हासिल करने वाले शशि कुमार और पनकी के अंकित ने भी रिपोर्टिंग कर दी है।

डर के आगे जीत है

कैंपस पहुंचे स्टूडेंट मायूस थे लेकिन कुछ कर गुजरने का जज्बा बरकरार रहा। सबने कहा कि माता-पिता का सपना जरूर पूरा करेंगे। बीएस में एडमिशन लेने वाली भोपाल की अनामिका ने कहा विज्ञानी बनने का सपना पूरा करूंगी। बीटेक एयरोस्पेस की मंसरगुन कौर ने कहा यहां कुछ डरे जरूर पर डर के आगे ही जीत है।

कश्मीरी छात्रों को मोहलत

आईआईटी में 15-20 कश्मीर के स्टूडेंटों को भी एडमिशन मिला है। लेकिन वहां चल रहे बवाल के चलते स्टूडेंट अभी आ नहीं पाए हैं। आईआईटी प्रशासन ने उन्हें 27 जुलाई तक की मोहलत दी है।

नए अम्मा-बाबू मिले

माता-पिता और परिवार के साथ आए स्टूडेंटों को आईआईटी कैंपस में दाखिल होते ही नए अम्मा-बाबू मिल गए। यह अम्मा-बाबू कोई और नहीं बल्कि कैंपस के ही सीनियर स्टूडेंट हैं। सीनियर गर्ल्स स्टूडेंट को अम्मा व सीनियर ब्वायज स्टूडेंट को बाबू नाम दिया गया है।

साइकिल की बिक्री, नीलामी भी

आईआईटी कैंपस में आए तमाम स्टूडेंटों ने साइकिल भी खरीदी। 2500 से लेकर 5000 तक की साइकिल थी। वहीं, नीलामी से पुरानी साइकिल खरीदने का भी विकल्प है। इसके अलावा हॉस्टल में खुली दुकानों से बेड, बाल्टी, बेड शीट खरीदे। 350 से लेकर 2680 रुपये के गद्दे बिके।

अमर उजाला

21-07-2016

Freshers start reaching IIT-K campus

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: The new lot of undergraduate students who have chosen IIT-Kanpur to pursue BTech and Bachelor of Science courses, accompanied with their parents, started reaching the institute campus from Wednesday. They and their parents would undergo orientation on Thursday, and the classes would commence on July 26. A total of 827 students were given admissions in the UG course this year.

Shashi Kumar, the student, who had sold off his buffalo to arrange for his IIT fee, reported on Wednesday along with his elder brother Anil Kumar.

Ankit Kumar Sharma, son of a carpenter of Panki, who had undergone three surgeries in his spinal cord to cure paralysis was allotted a hostel. Vibhor Gupta, this year's youngest IITian, who is just 16-year old made purchases of essential items on the first day on the campus.

Meanwhile, IIT-K authorities have made all arrangements to welcome the students. Anti-ragging placards and posters have been pasted. Buses have been pressed into service to bring students and their parents from Kanpur Central Railway station.

The institute would hold two orientation programmes on Thursday--one for students and the other for their parents.

The Times of India 21-07-16

Oz denies IIT grad visa over fear of WMD spread

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: An aerospace engineer from IIT-Kanpur has been denied a student visa by Australia because of suspicions he may be involved in the proliferation of weapons of mass destruction (WMD).

The issue was brought to light by Shashi Tharoor

The episode came to light on Tuesday through tweets posted by Congress MP Shashi Tharoor seeking foreign minister Sushma Swaraj's intervention. The student, Ananth SM, had applied for the visa in August 2015 after being offered a fully-funded PhD by University of Melbourne, Tharoor wrote in a letter to Swaraj (a photo of which he uploaded on Twitter).

According to Tharoor, Ananth contacted him when his application failed to get a response even after 10 months. After Tharoor took up the matter with the Australian high commissioner here, Ananth was issued a letter which questioned his motive for going to Australia and, said Tharoor, implied that he could be involved in the proliferation of WMDs.

"I asked the high commissioner privately over email how an Indian scholar could be subject to such a bizarre suspicion, and stated that such a position is unacceptable since it clubs Indian nationals working in certain sectors with those of rogue nuclear states like North Korea and Pakistan," Tharoor wrote in his letter.

The Times of India 21-07-16